अम्बे तू है जगदम्बे काली

अम्बे तू है जगदम्बे काली
अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुगे खप्पर वाली,
तेरे ही गुन गाए भारती, हे मैया, हम सब उतारे तेरी आरती।

तेरे भक्त जनो पार माता भये पडी है भारी।
दानव दल पार तोतो माडा करकेससिंह सा◌ि◌ंवरी।
सोउ सौ ससिंघों से बालशाली, है अष्ट भुजाओ वली,
दुशटन को तू ही ललकारती।
हे मैया, हम सब उतारे तेरी आरती।

माँ बेटी का है इस् जग जग बाडा हाय ननमल नाता।
पूत कपूत सुने है पर ना माता सुनी कुमाता।
सब पे करुणा दशमन वासल, अमृत बरसाने वाली,
दुखी◌ि◌ंकेदुक्खदे ननवतमती।
हे मैया, हम सब उतारे तेरी आरती।

नहह माँगते धन धन दौलत ना चण्डी न सोना।
हम तो मा◌ि◌ंगे तेरे तेरे मन में एक छोटा सा कोना।
सब की बबगडी बान वाली, लाज बचाने वाली,
सनतयो केसत को सिंवरती।

हे मैया, हम सब उतारे तेरी आरती।

चरन शरण में खडे तुमहारी ले पूजा की थाली।
वरद हस् स सर प रख दो म सकत हरन वली।
माँ भार दो भक्क्त रस प्याली, अष्ट भुजाओ वली,
भक्तो केकरेज तू ही सरती।
हे मैया, हम सब उतारे तेरी आरती।

अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुगे खप्पर वाली।
तेरे ही गुन गाए भारती, हे मैया, हम सब उतारे तेरी आरती।